



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 10, 2012/माघ 21, 1933

No. 39]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 10, 2012/MAGHA 21, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2012

निर्णयोपरांत मौखिक सुनवाई हेतु सेस्टेट द्वारा वापस भेजा गया मामला

विषय : चीन जन.गण., के मूल के या वहां से निर्यातित फ्लैट बेस स्टील व्हील्स के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/8/2005-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

पृष्ठभूमि

1. यतः, समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित वाणिज्यिक वाहनों, द्यूब युक्त टायर अनुप्रयोगों में प्रयुक्त 16" से 20" के सामान्य व्यास के फ्लैट बेस स्टील व्हील्स जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है के पाटन का आरोप लगाते हुए मै. कल्याणी लेमर्ज लि., पुणे और व्हील्स इंडिया लि., चेन्नई (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) से एक आवेदन प्राप्त हुआ और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया ।

2. और यतः, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य की पर्याप्तता और सत्यता के बारे में जांच करने के बाद उसके आधार पर नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 31 मई, 2006 की सार्वजनिक सूचना सं. 14/8/2005-डीजीएडी जारी

की ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

3. और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अधिनियम और नियमावली को ध्यान में रखते हुए 12 जनवरी, 2007 के प्रारंभिक जांच परिणामों और 21 फरवरी, 2007 तथा 12 मार्च, 2007 के संशोधनों के तहत चीन जनगण. के मूल के या वहां से निर्यातित फ्लैट बेस स्टील व्हील्स के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की जांच की और उस पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की। संबद्ध वस्तु पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क 29 मार्च, 2007 की सी.शु. अधिसूचना सं. 51/2007-सी.शु. के तहत लगाया गया था। प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम 28 नवंबर, 2007 को जारी किए थे और राजस्व विभाग ने 31 दिसंबर, 2007 की सी.शु. अधिसूचना सं. 124/2007-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किया था।

4. और यतः मै. झोंगजिंग व्हील्स कं. लि. (जिसे "आवेदक" भी कहा गया है) ने 31 दिसंबर, 2007 की अधिसूचना सं. 124/2007-सी.शु. तहत फ्लैट बेस स्टील व्हील्स के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को लागू करने की चुनौती देते हुए सेस्टेट के समक्ष एक अपील दायर की।

5. माननीय सेस्टेट ने 11 अगस्त, 2011 के अपने आदेश द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ आदेश के प्रचालनात्मक भाग सहित निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास यह मामला वापस भेज दिया।

"तदनुसार हम आवेदकों को निर्णयोपरांत सुनवाई का अवसर देने और अंतिम जांच परिणाम में ऐसे उपांतरण करने जिन्हें ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई के परिणामस्वरूप आवश्यक समझा जाए, करने के लिए ये अपीलें निर्दिष्ट प्राधिकारी को वापस भेजने की अनुमति देते हैं। प्रतिवादी घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, यदि कोई हो, को भी ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। अंतिम जांच परिणाम में किए गए किसी उपांतरण पर पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली आक्षेपित अधिसूचना में आवश्यक संशोधन कर सरकार द्वारा उन्हें प्रभावी बनाते हुए विचार किया जाएगा। यह प्रक्रिया इस आदेश की तारीख से 6 माह के भीतर पूरी की जाएगी और इस बीच यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। चूंकि हम इन अपीलों की अनुमति वापस भेजकर प्रदान कर रहे हैं, इसलिए संबंधित स्थगन याचिकाएं, एम ए तथा सी ओ को निपटाया गया माना जाएगा।"

6. और यतः सेस्टेट के उक्त आदेश का अनुपालन करते हुए और कानून एवं सिद्धांत के मामलों में माननीय सेस्टेट के आदेशों को चुनौती देने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के अधिकार के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के लिए निर्णयोपरांत मौखिक सुनवाई 31 दिसंबर, 2011 को आयोजित की।

7. माननीय सेस्टेट के 11 अगस्त, 2011 के आदेशों के अनुपालन में प्राधिकारी द्वारा आयोजित निर्णयोपरांत सुनवाई के अनुसरण में प्राधिकारी की कार्यवाई के अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था। प्रकटन पश्चात की उनकी टिप्पणियों में हितबद्ध पक्षकारों ने अपने पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया था। प्रकटन पश्चात की उनकी

टिप्पणियों सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और इन जांच परिणामों में संबंधित स्थान पर उन पर ध्यान दिया गया है ।

8. इस जांच परिणाम में *** चिन्ह किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

9. जिन हितबद्ध पक्षकारों ने निर्णयोपरांत मौखिक सुनवाई में भाग लिया था उनके द्वारा लिखित रूप में किए गए अनुरोध तथा प्रकटन के पश्चात् की उनकी टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :-

मै. झोंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. के अनुरोध

- i. झोंगजिंग व्हील्स के एम ई टी दावे से इंकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि कंपनी कीसमूची वृद्धि उसके निजीकरण के बाद ही हुई है और व्यावहारिक रूप से ऐसी कोई परिसंपत्ति या पूंजी नहीं थी जिसे पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले प्रचालनों से आगे लाया गया हो । ऐसे मामूली प्रचालन स्तर जिसे निजीकरण से पूर्व किया गया था, से जांच अवधि के दौरान निर्यातक की लागत और कीमत पर अत्यधिक प्रभाव नहीं पड़ सकता है ।
- ii. अलेखापरीक्षित लेखों में कुछ परिसंपत्तियों को दर्ज न किया जाना निर्यातक के एम ई टी दावे पर कोई प्रभाव डालने वाला नहीं माना जा सकता ।
- iii. निर्यातक द्वारा खरीदी जा रही स्टील और अन्य-कामट्रेड से ली गई कीमत के बीच कोई खास कीमत अंतर नहीं है और इसलिए निर्यातकों की कीमत को उसी रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए ।
- iv. सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुरूप किया जाना चाहिए । बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों की सूची का खुलासा किया जाना चाहिए । उचित तीसरे देश का चयन किया जाना चाहिए और प्रचलित स्टील कीमतों को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- I के पैरा 7 में उल्लिखित सिद्धांतों के अनुरूप लिया जाना चाहिए था ।
- v. घरेलू उद्योग पर लागू वैट वापसी दर तथा झोंगजिंग व्हील्स द्वारा की गई निर्यात बिक्री पर लागू वैट वापसी दर समान अर्थात् 17 प्रतिशत थी । अतः कारखाना निर्यात कीमत में वैट समायोजन का कोई मामला नहीं बनता है ।
- vi. स्टील के भार में अत्यधिक अंतर होने के कारण तीनों व्हील आकारों के लिए क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन का निर्धारण अलग-अलग करना होगा ।
- vii. यह जांच नियम 7 के उल्लंघन में की गई है क्योंकि प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत गोपनीय अनुरोध का प्रकटन नहीं किया गया है ।
- viii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का अगोपनीय रूपांतरण घरेलू उद्योग को उपलब्ध नहीं कराया गया है और इसलिए इस जांच से नियम 7 का उल्लंघन हुआ है ।

- ix. वास्तविक पाटन मार्जिन का प्रकटन किया जाना चाहिए । प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक सहयोगी निर्यातक हेतु परिकलित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का प्रकटन किया जा रहा है और इसलिए वर्तमान मामले में इसका प्रकटन किया जाना चाहिए ।
- x. एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना दूसरे पक्षकार को उपलब्ध न करवाकर यह जांच नियम 6 का उल्लंघन करते हुए की जा रही है ।
- xi. उच्चतर क्षति रहित कीमत दर्शाने और समूचे क्षति विश्लेषण को अधिक बताने के लिए घरेलू उद्योग ने 22 प्रतिशत आय का दावा किया है । इसके अलावा, नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय प्रदान करना माननीय सेस्टेट द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के विरुद्ध है ।
- xii. घरेलू उद्योग ने आयात शुरू होने से पूर्व ही नाटकीय ढंग से घाटा उठाया । वस्तुतः घाटे की राशि जांच अवधि में कम हुई है । प्राधिकारी स्पष्ट तौर पर आयात शुरू होने से पूर्व की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुए घाटे के कारणों का विश्लेषण करने में विफल रहे हैं ।
- xiii. बाजार पर कब्जा करने की मंशा से दोनों उत्पादक घरेलू बाजार में एक-दूसरे की कीमत में कटौती कर रहे हैं और कम कीमत पर बिक्री कर रहे हैं । इस वजह से हुए घाटे का कारण झेंगजिंग व्हील्स द्वारा किए गए निर्यातों को नहीं माना जा सकता ।
- xiv. क्षति संबंधी मापदंडों पर पर्याप्त रूप से ध्यान नहीं दिया गया है ।
- xv. याचिकाकर्ताओं को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का अगोपनीय अंश प्रस्तुत करना चाहिए और प्रतिवादियों को ऐसे अनुरोधों का खंडन करने का पर्याप्त अवसर भी प्रदान किया जाना चाहिए ।

ख. घरेलू उद्योग के अनुरोध

- i. निर्यातक द्वारा अपनी संबंधित कंपनियों के बारे में दायर सूचना सर्वथा अपूर्ण है । विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन या बिक्री में शामिल कंपनी समूह ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार पर विचार नहीं किया जा सकता ।
- ii. निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सूचना नहीं दी है कि निविष्टि की कीमत में बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं । निर्यातक ने अब यह दावा किया है कि उसकी निविष्टि कीमतों में बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं जो उसके इस पूर्ववर्ती दावे का विरोधाभासी है कि चीन के उत्पादकों के पास वस्तुतः स्टील की कम कीमतों के रूप में लाभ प्राप्त है ।
- iii. चीन सरकार ने सब्सिडी के तदर्थ प्रशासन का सहारा लिया है और इसलिए चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार नहीं प्रदान किया जा सकता ।
- iv. स्टील के उत्पादन में प्रयुक्त निविष्टियां अर्थात् कोक, मैटकोक और विद्युत उचित बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर उपलब्ध हैं । इसका साक्ष्य भी प्राधिकारी को दिया गया है ।

- v. चीन सरकार ने कई स्टील स्कैप मदों पर निर्यात शुल्क लगाया है । इस निर्यात शुल्क का प्रभाव यह है कि स्कैप की कीमत कम बनी रही है जिसके परिणामस्वरूप स्टील की कीमत कृत्रिम रूप से कम रखी गई है ।
- vi. तुर्की को चीन हेतु एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में माना जा सकता है । यूरोप ने कई जांचों में चीन हेतु तुर्की को उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में विचार किया है । घरेलू उद्योग के साथ तुर्की के उत्पादक के संबंध प्रासंगिक नहीं हैं ।
- vii. घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत को स्वीकार किया जाना चाहिए । यह अनुमान लगाने का कोई आधार नहीं है कि प्रतिनिधिक देश की लागत भारतीय उत्पादक की लागत से कम होनी चाहिए ।
- viii. प्राधिकारी को प्रतिवादी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले चीन के उत्पादकों के खपत मानकों पर विचार नहीं करना चाहिए था क्योंकि उनके द्वारा रखे गए रिकॉर्डों पर भरोसा नहीं किया जा सकता ।
- ix. घरेलू उद्योग को वैट वापसी के बारे में किए गए किसी दावे की जानकारी नहीं है । जांच के दौरान या तो कोई दावा नहीं किया गया था या फिर निर्यातक ने कोई अगोपनीय रूपांतरण दायर किए बिना गोपनीय आधार पर पूर्णतः पर्याप्त सूचना दायर की है ।
- x. समूचे आंकड़ों को भारित आधार पर परिवर्तित किया गया था । एक बार उत्पाद के भार पर विचार किए जाने के बाद व्हीलों के अलग-अलग आकारों की लागत में खास अंतर नहीं होगा । इसके अलावा, निर्यातक ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उत्पाद की संबद्ध लागत और कीमत में भारी अंतर है ।
- xi. घरेलू उद्योग ने पूर्व में यह दर्शाते हुए कार्य की पद्धति उपलब्ध कराई थी कि यदि निर्यातक द्वारा उसी और समान कीमत पर स्टील की खरीद की जा रही है तो उसने भारी घाटा उठाए बिना उत्पाद का निर्यात नहीं किया होगा । अतः इसका तात्पर्य यह है कि कंपनी द्वारा विचारित स्टील की कीमत काफी कम है ।
- xii. निर्यातक ने नियम 7 और इस संबंध में व्यापार सूचना का घोर उल्लंघन करते हुए कार्रवाई के दौरान कई बार कई अनुरोध और दस्तावेज दायर किए जिनका कोई अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध नहीं कराया गया ।
- xiii. निर्यातक को वास्तविक पाटन मार्जिन का कोई प्रकटन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी सूचना का खुलासा हो जाएगा ।
- xiv. निर्यातक ने याचिकाकर्ता के अनुरोधों के आधार पर विस्तृत अनुरोध दायर किए जिससे यह सिद्ध होता है कि उसके पास सार्वजनिक फाइल की पहुंच थी ।
- xv. आयातों की पहुंच कीमत प्रत्येक कंपनी की बिक्री कीमत से काफी कम है । यदि आयात घरेलू उद्योग की कीमत से काफी सस्ते न होते तो टाटा मोटर्स द्वारा आयात किए जाने का कोई कारण न होता ।
- xvi. विगत में हुए घाटे का कारण मांग की तुलना में अधिक क्षमता की मौजूदगी के कारण हुआ है । यदि ऊपरी लागत को अधिक क्षमता में समायोजित किया जाए तो यह पता चलेगा कि घरेलू उद्योग को लाभ हुआ था ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों पर निम्नानुसार विचार किया गया है :-

एम ई टी दावा, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन

11. 28 नवंबर, 2007 के अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी ने झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लिमिटेड के एम ई टी दावे पर पर्याप्त विचार किया है। प्राधिकारी ने उक्त प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक का सत्यापन किया और अंतिम जांच परिणाम में न्यायोचित ढंग से इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचालन नहीं कर रहे हैं और इसलिए उन्होंने उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया। जहां तक झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. की एम ई टी दावे का संबंध है, प्राधिकारी ने 28 नवंबर, 2007 के अंतिम जांच परिणाम में निम्नानुसार मत व्यक्त किया।

"ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को नोट कर लिया है। प्रश्नावली के उत्तरों तथा कंपनी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में दिए गए उत्तर की जांच की गई और निर्यातक के परिसर में मौके पर ही जांच का सत्यापन कर लिया गया।

ड.3.1 निर्यातक के सत्यापन से उभरी प्रमुख बातें

42. झांगझाऊ जियांगचेंग जियोक्सी आटोमोबाइल व्हील फैक्टरी को *** को "सामूहिक उद्यम" के रूप में पंजीकृत की गई थी जिसका पर्यवेक्षण शितिग शहर के इकॉनामिक यूनाइटेड एसोसिएशन द्वारा किया गया था जिसकी *** की आर एम बी की पूंजी पंजीकृत की गई थी जो *** को बढ़कर *** आर एम बी हो गई। *** को यह एकमात्र स्वामित्व वाली बन गई जिसकी पंजीकृत पूंजी *** आर एम बी थी। एसोसिएशन ने उद्यम की सभी परिसंपत्तियों और एसोसिएशन का चुकाए गए लाभ का आकलन और लेखा परीक्षा का आयोजन किया और निवेशकों द्वारा निवेशित मूलधन को उन्हें वापस किया गया। पुनर्संचित उद्यम का स्वामित्व *** के पास था जो कि संस्थापक निवेशक हैं। *** को झांगझाऊ जियांगचेंग जियोक्सी आटोमोबाइल व्हील फैक्टरी एक संयुक्त स्टॉक सहकारिता में परिवर्तित की गई जिसका *** आर एम बी की पंजीकृत पूंजी थी। *** के व्यवसाय लाइसेंस के अनुसार यह "सीमित उत्तरदायित्व कंपनी" के रूप में पंजीकृत की गई जिसकी *** आर एम बी की पंजीकृत पूंजी थी, जिसमें समय-समय पर वृद्धि हुई और *** के दौरान यह *** आर एम बी हो गई थी।

43. यह पूछे जाने पर कि क्यों एक निजी व्यक्ति को उद्यम के सामूहिक प्रारूप में कंपनी शुरू करनी पड़ी, निर्यातक ने इस तथ्य को इसकी वजह बताया कि निजी व्यक्ति को भूमि उपयोग का अधिकार नहीं था और निवेशकों को यह प्राप्त करने के लिए एसोसिएशन के पासजाना पड़ा था। अधिकार, जो दूसरी कंपनी के पास थे निर्यातक को *** में एक कारार के जरिए *** से *** तक किस्तों में चुकाई गई कुल *** आर एम बी राशि पर हस्तांतरित किए गए। प्राधिकारी ने नोट किया

कि हालांकि निर्यातक ने दावा किया था कि संगठन का सामूहिक प्रारूप श्रमिकों तथा अन्यो को सामाजिक रूप से ज्यादा स्वीकार्य था ।

44. निर्यातक से पूछा गया था कि क्यों *** के व्यवसाय में उद्यम को जांगझोऊ जियांगचेंग जियाओक्सी ऑटोमोबाइल व्हील फैक्टरी के रूप में दर्शाया गया था, लेकिन *** के निधि उगाही करार में "जियोओक्सी" गायब था । इसका उत्तर दिया गया था कि जांगझोऊ और जियांगचेंग चीन की भौगोलिक अवस्थियों के नाम थे और निवेशकों की इन नामों का प्रयोग करने की योजना थी परंतु पंजीकरण के समय उसी स्थान पर स्थित अन्य उद्यमों से अलग दर्शाने के लिए जियाओक्सी को शामिल किया गया था, एक ऐसी प्रविष्टि जो स्वयं ही निजी स्वामित्व को दर्शाती है क्योंकि राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम से यह अपेक्षित नहीं होगा । *** में जियाओक्सी के बदले झेंगकिंग को रखा गया था ।

45. सत्यापन से प्रदर्शित हुआ कि *** की परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार जब (क) *** आर एम बी का वस्तु सूची का अस्पष्ट पुनर्मूल्यांकन, (ख) यह स्पष्ट किए बिना पहियों की मात्रा में वृद्धि कि वे पहिए कंपनी के अपने थे या दूसरों से खरीदे गए थे, (ग) *** आर एम बी पर भवन का पुनर्मूल्यांकन, हालांकि खाता बही के अनुसार कोई भवन नहीं था, (घ) खातों में *** आर एम बी के बकाया की अस्पष्ट वृद्धि के जरिए उद्यम को सामूहिक स्वामित्व से एकल स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में पुनर्गठित किया गया था, तब *** आर एम बी से *** आर एम बी का अत्यधिक पुनर्मूल्यांकन हुआ था । निर्यातक ने माना कि वस्तु सूची के कुछ हिस्से तथा भवन को पुनर्मूल्यांकन से पूर्व लेखाबद्ध नहीं किया गया था, इस स्वीकारोक्ति से ही लेखा परीक्षित खातों की विश्वसनीयता पर संदेह होता है । यह पाया गया था कि परिसंपत्ति के कुल मूल्य में *** आर एम बी की वृद्धि हुई जिसका वित्तपोषण *** आर एम बी की सीमा तक ऋणदाताओं के जरिए किया गया था । इसके अतिरिक्त, एकल स्वामित्व के पूंजी आधार का वित्त पोषण *** द्वारा किया गया था, जो सत्यापन के दौरान प्रकट नहीं किया गया था ।

46. एकल स्वामित्व से संयुक्त स्टॉक सहकारी के रूप में परिवर्तन के एक महीने के भीतर पूंजी आधार में *** आर एम बी की कमी हुई थी और सीमित देयता वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठन होने पर उसमें *** आर एम बी की वृद्धि हुई थी । निर्यातक ने एकल स्वामित्व से सीमित देयता के रूप में परिवर्तन की सीधे न करके दो चरणों में किए जाने के विशेष कारण का यह कह कर अस्वीकार किया है कि एकल स्वामी के पास संगठन के रूप में चुनने का अधिकार था । सीमित देयता वाली कंपनी के बढ़े हुए पूंजी आधार में *** आर एम बी आर एम बी का योगदान वस्तु रूप में और *** आर एम बी का योगदान नकद में (*** की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट के अनुसार) किया गया था । *** की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट के अनुसार चार महीनों की छोटी सी अवधि में पंजीकृत पूंजी में *** आर एम बी की वृद्धि हुई थी जिसमें *** आर एम बी का योगदान नकद और *** आर एम बी का परिसंपत्तियों में किया गया था । जनवरी, 2005 में *** ने *** आर एम बी की भौतिक परिसंपत्तियों का योगदान किया जिससे कंपनी की पंजीकृत पूंजी *** आर एम बी तक बढ़ गई ।

47. इसके अलावा *** की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट के अनुसार *** में *** ने *** विद्यालय को कंपनी के बैंक खाते में *** आर एम बी का भुगतान करने का कार्य सौंपा था और बाद में *** आर एम बी का

भुगतान किया था जिससे पूंजी योगदान *** आर एम बी की परिसंपत्तियों सहित *** आर एम बी हो गया था । विद्यालय के जरिए रकम के हस्तांतरण का कारण यह माना गया था कि नकद आहरण पर अधिकतम सीमाओं के कारण कंपनियों से ऋणों को सीधे व्यक्तिगत निजी खातों में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता था । इसके अतिरिक्त, विद्यालय का स्वामित्व भी *** के पास था ।

48. सत्यापन के दौरान निधि के उस स्रोत जिससे *** ने निवेश हेतु रकम प्राप्त की थी, का सत्यापन नहीं किया जा सका । इसके बाद यह कहा गया था कि *** आर एम बी का ऋण 7% की ब्याज दरों पर *** से *** तक के लिए लिया गया था जिसे 6 वर्षों में चुकता किया जाना था और वाणिज्यिक प्रकृति का होने के कारण ये सौदे दर्शाए नहीं गए थे क्योंकि करारों में ऋण की कोई वार्षिक पुनर्भुगतान अनुसूची प्राधिकारी को प्रस्तुत नहीं की गई थी । इसके बजाए पुनर्भुगतान की केवल निर्धारित तारीखें थीं ।

49. उत्पादक/निर्यातक ने दावा किया कि संबद्ध वस्तु के निर्यात पर, घरेलू बाजार में उत्पादन या बिक्री पर अथवा घरेलू या निर्यात बिक्रियों पर कोई कीमत नियंत्रण या कोई निर्यात कोटा नहीं था । कच्ची सामग्री इस्पात "विनिर्दिष्ट व्यापार" प्रणाली के अधीन था जिसमें केवल विनिर्दिष्ट उद्यमों को ही इस्पात का आयात या निर्यात करने की अनुमति थी परंतु इस प्रणाली को जांच अवधि से ठीक पहले समाप्त कर दिया गया था, जिसे चीन के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 8 दिसंबर, 2004 को जारी सार्वजनिक नोटिस से देखा जा सकता है । इसके अलावा, कंपनी ने कहा था कि वे मौके पर संविदाओं के जरिए स्थानीय निविष्टियां खरीदते थे और निर्यात बिक्रियों पर 17% वैट आय प्राप्त करते थे । बाध्यकारी सांविधिक एवं विवेकाधीन अपेक्षाओं को पूरा करने के बाद निर्यात लाभों को शेयरधारकों के बीच वितरित किया जाना था ।

50. संयंत्र की यात्रा के दौरान संबद्ध उत्पाद के विनिर्माण के लिए उत्पादन प्रक्रिया को देखा गया था । इस्पात से सिक्कों के विनिर्माण के लिए एच आर कॉयलों का प्रयोग किया जाता था और 2004 के अंत से असीमित मल्टी पंचिंग प्रक्रिया का प्रयोग करके इस्पात के सिक्कों को पंच किया जाता था जिसके लिए कंपनी ने स्वयं ही एक नई शियरिंग मशीन को डिजाइन एवं विकसित किया था । स्टील रिम के विनिर्माण के लिए कंपनी ने रिंग्स के विनिर्माण के लिए रिमों और स्लॉटेड ऐंगलों में परिवर्तन के लिए विभिन्न बिन्दुओं पर अलग-अलग मोटाई वाले स्टील प्रोफाइल खरीदे । अंततः स्टील डिस्क, रिम और रिंग को पहिए बनाने के लिए वेल्ड/असेम्बल किया गया । रिम प्रोफाइल का क्रॉस सेक्शन रेखाचित्र और डिस्क, रिम तथा रिंग की इंजीनियरिंग ड्राइंग का उत्पादन किया गया था । तत्पश्चात, खपत मानदंडों और अपशिष्टों को कम माना गया था ।

51. कंपनी से पूछा गया था कि क्यों नकद प्रवाह विवरण में एक वर्ष की अवधि के ऋणों के भुगतान के लिए निधि का कोई बहिर्गमन नहीं था, जिसका उन्होंने उत्तर दिया कि उन्होंने वर्ष के भीतर भुगतान योग्य ऋणों के लिए बैंक से समयावधि में विस्तार हेतु आवेदन किया था । तत्पश्चात कंपनी से ऋण संबंधी नीति और लघु अवधि ऋणों हेतु आवेदन एवं उसके जारी किए जाने का ब्यौरा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था । यद्यपि, इन्हें सत्यापन के दौरान प्रस्तुत नहीं किया गया था तथापि, इन्हें बाद में उपलब्ध कराया गया था ।

52. सत्यापन के दौरान 2003 से तथा विशेष रूप से जांच की अवधि के दौरान कंपनी की वर्तमान देयताओं में घातांकी वृद्धि के कारण को स्पष्ट नहीं किया जा सका। निर्यातक ने इस वृद्धि को व्यवसाय की मात्राओं में वृद्धि के समानुपातिक माना और कि पिछले वर्ष की तुलना में 2005 में वर्तमान अनुपात में कमी हुई थी तथा उनके सभी कार्यकलाप वित्तीय विवरणों में पूरी तरह प्रकट किए गए थे।

53. *** में एक सहायक कंपनी को भुगतान योग्य नोट्स के *** और प्राप्ति योग्य वर्तमान परिसंपत्तियों के *** के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए जा सके। निर्यातक ने कहा कि गलत से वार्षिक लेखों में सहायक कंपनी को भुगतान योग्य नोट्स को वस्तु की खरीद के लिए दर्शाया गया था परंतु इस स्पष्टीकरण को लेखा परीक्षित वार्षिक खातों से मिलान नहीं हुआ।

54. सत्यापन के दौरान कंपनी इस बात का समर्थनकारी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकी कि उनके द्वारा भुगतान की गई या चीन में विद्यमान इस्पात की वास्तविक कीमत अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती थी, जो कि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किए जाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण अपेक्षा है। बाद में, यू एन कॉमट्रेड से अंतर्राष्ट्रीय इस्पात के ब्यौरे यह सिद्ध करने के लिए उपलब्ध कराए गए थे कि चीन की इस्पात कीमत अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आस-पास ही थी। ये कीमतें एक ही देश के आंकड़ों के आधार पर फ्लैट रोल्ड उत्पादों से संबंधित थी और 0.378 डॉ. प्रति कि.ग्रा. से 0.77 डॉ. प्रति कि.ग्रा. की रेंज में थी जिस कारण यह अस्वीकार्य थी।

55. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली के बचे अनुवर्ती प्रभावों के कारण कंपनी की लागतें एवं कीमत अत्यधिक विकृत हो गई थी इसलिए वे इस कंपनी के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किए जाने हेतु पात्र नहीं थे। तदनुसार प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार इस निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते हैं।

12. निर्णयोपरांत सुनवाई के बाद किए गए अनुरोधों में झोंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. ने यह दावा किया है कि कंपनी की समूची वृद्धि उसके निजीकरण के बाद ही हुई है और उसके पास वस्तुतः ऐसी कोई परिसंपत्ति या पूंजी नहीं थी जिसे पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था के प्रचालनों से आगे लाया गया हो। उन्होंने आगे यह अनुरोध किया है कि प्रचालनों के ऐसे मामूली स्तर जो निजीकरण से पूर्व शुरू किए गए थे, क. जांच अवधि के दौरान निर्यातक की लागत और कीमत पर पर्याप्त प्रभाव पड़ा है तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. झोंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. प्राधिकारी द्वारा किए गए गौंके पर सत्यापन के दौरान या फिर माननीय सेस्टेट के आदेशों के अनुपालन में प्राधिकारी द्वारा की गई निर्णयोपरांत सुनवाई के बाद किए गए अनुरोधों सहित बाद में अपने एम ई टी के समर्थन में पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रही है। प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त और विस्तृत रूप से विचारित कारणों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था के दावे के बारे में अपने जांच परिणाम तथा नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य की पुनः पुष्टि करते हैं।

13. जहां तक मै. झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. के इस दावे का संबंध है कि घरेलू बिक्री पर लागू वैट वापसी दर और झेंगजिंग व्हील्स द्वारा की गई निर्यात बिक्री पर लागू वैट वापसी दर समान अर्थात् 17 प्रतिशत है और इसलिए उसका समायोजन कारखाना निर्यात कीमत में नहीं किया जाना चाहिए था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के संबंध में निम्न निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी द्वारा किए गए समायोजन प्राधिकारी द्वारा सत्यापित सूचना और डी जी ए डी द्वारा अपनाई गई पद्धति पर आधारित है।

14. जहां तक मै. झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. द्वारा किए गए इन अनुरोधों का संबंध है, कि प्रत्येक व्हील प्रकार के लिए इस्पात के भार में भारी अंतर होने के कारण क्षति मार्जिन तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण अलग-अलग किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम में समूचे आंकड़ों को भार आधार पर परिवर्तित किया गया था और संगत गणनाएं भारित औसत आधार पर की गई थीं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध कोई प्रासंगिकता नहीं रखता है कि क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन का निर्धारण व्हील के प्रत्येक आकार के लिए अलग-अलग किया जाना चाहिए।

15. जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि तुर्की को चीन जन.गण. के लिए एक उचित प्रतिनिधिक बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध- I के पैरा 7 के अनुसार किसी उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन करते समय बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के विकास के स्तर पर पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। चीन जन.गण. और तुर्की के बीच आर्थिक विकास के अलग-अलग स्तरों और संबद्ध उत्पाद के विकास के स्तर को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी चीन जन.गण. के लिए किसी उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन नहीं करते हैं।

गोपनीयता

16. गोपनीयता के मुद्दे के बारे में प्राधिकारी ने 28 नवंबर, 2007 के अंतिम जांच परिणाम में निम्नानुसार मत व्यक्त किया था :-

"घ.1 गोपनीयता

8. मामले के विभिन्न पहलुओं से संबंधित टिप्पणियों के अलावा घरेलू उद्योग और चीन जन.गण. के भागीदार निर्यातक ने दूसरे पक्षकार द्वारा दावा की गई अत्यधिक गोपनीयता का मुद्दा उठाया है। घरेलू उद्योग का तर्क है कि (क) निर्यातक ने अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए बिना अनेक अनुरोध किए हैं (ख) निर्यातक ने अनेक सूचनाओं का खुलासा नहीं किया है और न ही गोपनीयता के दावे का कोई कारण बताया है (ग) न तो कानूनन और न ही तथ्य की दृष्टि से किसी कंपनी के व्यावसायिक लाइसेंस के गोपनीय होने का दावा किया जा सकता है जैसा कि निर्यातक ने किया था और (घ) निर्यातक के उत्तर के ढंग को देखते हुए निर्यातक द्वारा गलत सूचना प्रस्तुत किए जाने की संभावना से बचने के लिए उन्हें प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई सूचना पर टिप्पणी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। तथापि, निर्यातक ने

तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन लागत और अन्य व्ययों तथा शुरूआती आवेदन के बाद किए गए अनुरोधों का उचित अगोपनीय अंश उपलब्ध नहीं कराया है।

9. प्राधिकारी ने भागीदारी निर्यातक द्वारा सहयोग की मात्रा और सीमा तक और प्रस्तुत सूचना को नोट किया है और यह कि अगोपनीयता संबंधी मुद्दों का किए गए अनुरोधों के अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने के द्वारा बाद में समाधान कर दिया गया है। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों को स्वीकार किया गया है, यद्यपि, कुछेक दावों को स्वीकार नहीं किया गया है; परंतु कतिपय दावों को स्वीकार नहीं करने या कतिपय सूचना को अस्वीकार किए जाने के कारण निर्यातक को असहयोगी नहीं माना जाएगा। वह सूचना, जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है या जिसे हितबद्ध पक्षकार द्वारा उसके अगोपनीय सारांश के साथ गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है, उसे गोपनीय माना गया है।

17. जहां तक मै. झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. से संबंधित गोपनीय सूचना के प्रकटन के आरोप का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी गोपनीय सूचना का प्रकटन नहीं किया गया है, प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि जो सूचना सार्वजनिक क्षेत्र में अन्यथा उपलब्ध है अथवा जिसे औसत/रेंज आधार पर जांच परिणाम में दिया गया है, उसका तात्पर्य यह नहीं है कि उससे गोपनीय सूचना का प्रकटन होता है।

18. जहां तक मै. झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. के इस अनुरोध का संबंध है कि घरेलू उद्योग की सूचना का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध नहीं कराया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय सूचना प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध रखी है।

19. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि वास्तविक पाटन मार्जिन का प्रकटन किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी सूचना के प्रकटन से गोपनीय सूचना का प्रकटन होगा और स्थापित परंपरा के अनुसार ऐसी सूचना का प्रकटन प्राधिकारी द्वारा नहीं किया जाता है। इसके अलावा, पाटन मार्जिन और पाटन मार्जिन के प्रतिशत रेंज के निर्धारण की कार्य प्रणाली प्राधिकारी द्वारा जारी अंतिम जांच परिणाम में दी गई है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

20. जहां तक क्षति और कारणात्मक संबंध का प्रश्न है, प्राधिकारी ने 28 नवंबर, 2007 के अंतिम जांच परिणाम में विस्तृत विश्लेषण दिया है। तथापि, प्राधिकारी ने निर्णयोपरांत सुनवाई के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की निम्नानुसार जांच की है :-

- i. जहां तक मै. झेंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. के इस अनुरोध का संबंध है कि उच्चतर क्षति रहित कीमत प्रदर्शित करने और समूचे क्षति विश्लेषण को अधिक दिखाने के लिए घरेलू उद्योग ने 22 प्रतिशत लाभ का दावा किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा लगाई गई पूंजी पर 22 प्रतिशत लाभ का प्रावधान अन्य पाटनरोधी मामलों में अपनाई गई सुसंगत प्रक्रिया के अनुसार अंतिम जांच परिणाम में किया है और इस प्रकार मै. झेंगजिंग व्हील्स का यह तर्क आधारहीन है।

- ii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी आयात शुरू होने से पूर्व की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुए घाटे के कारणों का विश्लेषण करने में विफल रहे हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे पर 28 नवंबर, 2007 के अंतिम जांच परिणाम में भली भांति विचार किया गया है जो निम्नानुसार है और जिसके लिए पुनः जांच अपेक्षित नहीं है ।

74. क्षति का दूसरा मापदंड यह था कि बिक्री कीमतों में वृद्धि के बावजूद 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को घाटा हुआ । निर्यातक ने दलील दी है कि घरेलू उद्योग को 2002-2003 के दौरान 100 यूनिटों के घाटे की तुलना में जांच अवधि के दौरान इकाइयों का घाटा हुआ और फिर भी उन्होंने पाटित आयातों के कारण क्षति का दावा किया ।

					निम्नलिखित की तुलना में परिवर्तन	
	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि	2003-04	2004-05
उत्पादन लागत	100	101	115	126	25	11
बिक्री कीमत	100	104	120	129	25	(104)
लाभ/हानि	(100)	(2)	72	(45)	(43)	(117)

तालिका से यह पता चलता है कि जहां 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 25 इकाइयों द्वारा लागतें और बिक्री कीमत में वृद्धि की गई वहीं जांच अवधि के दौरान घाटे में वृद्धि हुई । इसके अलावा 2004-05 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लागत में 11% बिन्दुओं की वृद्धि हुई वहीं बिक्री कीमतों में 9% बिन्दुओं की वृद्धि हुई । लागत में सिर्फ 2% की वृद्धि, 117% बिन्दुओं के घाटे के रूप में हुए परिवर्तन को नहीं ला सकती । इस प्रकार, केवल संभव निष्कर्ष यह था कि लाभ/हानियों का निर्धारण करने की घरेलू उद्योग की विधि सुदृढ़ नहीं है और उन्होंने अनुचित उच्च घाटा दर्शाने के लिए जांच अवधि के दौरान अपनी विधि को बदल दिया था ।

21. जहां तक मै. झोंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. द्वारा किए गए इस अनुरोध का संबंध है कि बाजार हड़पने की मंशा से दोनों घरेलू उत्पादकों द्वारा घरेलू बाजार में एक दूसरे की कीमतों में कटौती की जा रही है और कम कीमत पर बिक्री की जा रही है और इस वजह से हुए घाटे का कारण मै. झोंगजिंग व्हील्स कंपनी लि. द्वारा किए गए निर्यातों को नहीं माना जा सकता । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादकों के बीच इस बात को छोड़कर जो किसी बाजार अर्थव्यवस्था के लिए स्पष्ट है, कोई स्पष्ट प्रतिस्पर्धा नहीं है । प्राधिकारी द्वारा 28 नवंबर, 2007 के अपने अंतिम जांच परिणाम में किए गए कारणोत्तर विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण उनकी मात्रा और कीमत प्रभावों के जरिए घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति हुई है ।

निष्कर्ष एवं सिफारिश

22. माननीय सेस्टेट के 11 अगस्त, 2011 के आदेशों के अनुपालन में प्राधिकारी द्वारा की गई निर्णयोपरांत सुनवाई के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच और उन पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि प्राधिकारी द्वारा 28 नवंबर, 2007 की अधिसूचना सं. 14/8/2005—डी जी ए डी के तहत जारी किए गए अंतिम जांच परिणाम में कोई उपांतरण अपेक्षित नहीं है। अतः प्राधिकारी एतद्वारा 28 नवंबर, 2007 की अधिसूचना सं. 14/8/2005—डी जी ए डी के तहत निकाले गए अपने जांच परिणाम और उसमें की गई सिफारिशों की पुनः पुष्टि करते हैं।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th February, 2012

CESTAT REMANDED POST DECISIONAL HEARING FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigations concerning imports of Flat Base Steel Wheels originating in/exported from China PR.

No. 14/8/2005-DGAD :— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

Background

1. Whereas the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules) received an application from M/s. Kalyani Lemmerz Ltd., Pune and Wheels India Ltd., Chennai (hereinafter referred to as the Applicant) alleging dumping of Flat Base Steel Wheels of size 16" to 20" nominal diameter used in tubed tyre applications in commercial vehicles (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country) and requested for the initiation of Anti-dumping investigations for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

2. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy, issued a Public Notice *vide* No. 14/8/2005-DGAD, dated 31st May, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country in accordance with the Rule 6 (1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of Anti-Dumping Duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

3. And whereas the Designated Authority having regard to the Act and Rules investigated and recommended imposition of provisional Anti Dumping Duty on imports of flat base Steel Wheels originating in or exported from China PR, vide Preliminary Findings dated 12th January 2007 and amendments dated 21st February 2007 and 12th March, 2007. The provisional Anti Dumping Duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No. 51/2007 - Customs dated 29th March 2007. The Final Findings were issued by the Authority on 28th November 2007 and definite Antidumping duties were imposed by the Department of Revenue vide Customs Notification No 124/2007 - Customs dated 31st December, 2007.
4. And whereas, M/s Zhengxing Wheels Co. Ltd (also referred to as the "appellant") filed an appeal before CESTAT, challenging the imposition of definitive anti-dumping duty on imports of flat base steel wheel vide Customs Notification No 124/2007 - Customs dated 31st December, 2007.
5. The Hon'ble CESTAT vide its order dated 11th August, 2011 remanded the matter back to the Designated Authority with the operative part of the order, *inter alia*, as follows:

"Accordingly we allow these appeals by remand to the Designated Authority for affording post-decisional hearing to the appellants and for making such modifications to the Final Findings as may be necessary as a result of such post decisional hearing. The respondent-domestic industry and other interested parties, if any, shall also be allowed to participate in such post decisional hearing. Any modifications made in the final findings would be considered by giving effect to the same by the government by carrying out the necessary amendment to the impugned notification imposing anti-dumping Duty. This process shall be completed within 6 months from the date of this order and status quo shall be maintained meanwhile. Since we are allowing these appeals by remand, the related stay petitions, MAs and COs stand disposed off."

6. And whereas, in compliance with the said order of the CESTAT and without prejudice to the rights of the Designated Authority to challenge the orders dated 11th August, 2011 of Hon'ble CESTAT on the matters of law and principle, the Authority held a post decisional oral hearing for the known interested parties on 13th December 2011.
7. The essential facts of the action of the Authority pursuant to the post decisional hearing held by the Authority in compliance with the orders dated 11th August 2011 of Hon'ble CESTAT were disclosed to the interested parties by the Authority. In their post disclosure comments, the interested parties reiterated

their earlier submissions. The submissions made by the interested parties, including their post disclosure comments, have been examined and addressed by the Authority at respective areas of this finding.

8. *** in this finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
9. The submissions made by the interested parties in the written form, who attended the post decisional oral hearing, including their post disclosure comments, are as follows:

Submissions made by M/s Zhengxing Wheels Co. Ltd.

- i. MET claim of Zhengxing Wheels should not be denied as the entire growth of the company has taken place only after it was privatized and there were practically no assets or capital that had been carried over from the erstwhile non market economy operations. Miniscule level of operations that were carried out before privatization would not have affected significantly the costs and prices of the exporter during the period of investigation.
- ii. Non recording of certain assets in the unaudited account cannot be regarded as having any impact on the MET claim of the exporter.
- iii. There is no significant price difference between the prices at which steel is being procured by the exporter and the price taken from UN-COMTRADE and therefore steel prices of the exporters should be accepted as such.
- iv. Normal value should be determined in line with para 7 of Annexure I to the Rules. List of market economy countries considered must be disclosed. Appropriate third country should be chosen and the steel prices prevailing should have been taken in line with the principles enunciated in para 7 of the Annex I to the AD Rules.
- v. VAT refund rate applicable on domestic sales and VAT refund rate applicable on export sales made by Zhengxing Wheels were the same i.e., 17%. Hence there is no case for adjustment of VAT in the ex-factory export price.
- vi. Injury margin and dumping margin have to be determined for three wheel sizes separately on account of significant difference in weight of steel.
- vii. Investigation is in violation of Rule 7 as the confidential submission submitted by the respondent has been disclosed.
- viii. Non confidential version of information submitted by the DI has not been made available to the Domestic Industry and therefore investigation is in violation of Rule 7.

- ix. Actual dumping margin should be disclosed. Authority has been disclosing constructed normal value, export price and dumping margin for every cooperating exporter and therefore should be disclosed in the instant case.
- x. Investigation is being conducted in violation of Rule 6, by not making information filed by one interested party available to the other.
- xi. 22% of return is claimed by Domestic Industry to project higher NIP and colour the entire injury analysis. Moreover, granting 22% return on capital employed is against the guidelines laid down by the Hon'ble CESTAT.
- xii. DI incurred phenomenal losses even before the imports started. The amount of losses in fact, has lowered during the injury period. Authority clearly failed to analyse the causes for losses suffered by the domestic industry during the period prior to commencement of imports.
- xiii. With the intention of capturing market the two producers has been undercutting and underselling the prices of each other in the domestic market. Loss on this account cannot be attributed to the exports made by Zhengxing Wheels.
- xiv. The injury parameters have not been adequately addressed.
- xv. The petitioners should submit non-confidential versions of the submissions made in confidential manner and also provide respondents with adequate opportunity to provide rebuttals to such submissions.

B. Submissions made by the Domestic Industry

- i. The information filed by the exporter with regard to its related entities is grossly incomplete. Group companies, who are involved either in production or in sale of the product under consideration have not responded before the Authority and therefore market economy treatment, cannot be considered.
- ii. The exporter has not given sufficient information to establish that prices of input reflect the market values. The claim now made by the exporter that its input prices are reflective of market values contradict its earlier claimed that the Chinese producers in fact have an advantage in terms of lower steel prices.
- iii. Govt. of China has resorted to ad hoc administration of subsidies and therefore Chinese producers cannot be granted market economy treatment.
- iv. Inputs consumed in production of steel such as coke, metcoke and electricity are available much lower than fair market value. Evidence has also been given to the Authority.
- v. Govt. of China has imposed export duty on a number of steel scrap items. The impact of these export duty is that the prices of scrap has remained low, which has in turn kept prices of steel artificially lower.

- vi. Turkey can be constituted as an appropriate market economy third country for China. Europe has considered Turkey as an appropriate market economy third country for China in numerous investigations. Relationship of Turkish producer with domestic industry is immaterial.
- vii. Weighted average cost of production of the domestic industry should be adopted. There is no basis for presumption that the surrogate country cost should be the lowest of Indian producers' cost.
- viii. Authority should not have considered consumption norms of the responding non-market Chinese producers as the records maintained by them cannot be relied upon.
- ix. Domestic Industry is unaware of any claims made on VAT refunds. Either no claim was made during the course of the investigations, or, the exporter has filed significant information purely on confidential basis, without filing any non confidential version.
- x. The entire data was converted on weight basis. Once weight of the product is considered, there would not be significant difference in the cost of different sizes of wheels. Further, the exporter has not established that there are significant differences in the associated costs and prices of the product.
- xi. Domestic industry has earlier provided workings showing that if the exporter was procuring steel at the same or similar prices, it could not have exported the product without suffering huge financial losses. It thus follows that the steel price considered by the company is very low.
- xii. The exporter filed several submissions & documents, several times during the proceedings, in blatant violation of Rule 7 and trade notice in this regard, without providing non confidential version of such submissions.
- xiii. No disclosure of actual dumping margin should be made to the exporter that would lead to disclosure of any information provided by the domestic industry on confidential basis.
- xiv. The exporter filed detailed submissions based on the submissions made by the petitioner, which proves that they had access to public file.
- xv. The landed price of imports is materially below the selling price of each of the companies. There was no reason for Tata Motors to resort to imports, if the imports were not materially cheaper than the domestic industry.
- xvi. The losses in the past are due to the existence of excessive capacity as compared to demand. If the overhead costs are adjusted for excessive capacity, it would be seen that the domestic industry was in profits.

Examination by the Authority

10. The various submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as under:

MET Claim, Normal value, Export price, Injury margin and Dumping margin

11. In the final findings dated 28th November 2007, the Authority has adequately addressed the MET claim of Zhengxing Wheels Co. Ltd. The Authority verified the said respondent producer/exporter and justifiably came to the conclusion in the final findings that they are not operating under market economy environment and therefore did not accord market economy status to them. With regard to the MET claim of Zhengxing Wheels Co. Ltd, the Authority observed in the final findings dated 28th November 2007, as follows:

"E.3 Examination by the Authority

41. *The Authority has noted the arguments of the interested parties. The questionnaire response and Market Economy Response of the Company were examined and an on-spot investigation and verification was carried out in the premises of the exporter.*

E.3.1 Salient features emerging from the exporter verification

42. *Zhangzhou Xiangcheng Xiaoxi Automobile Wheel Factory was registered on *** as "collective enterprise" supervised by Economic United Association of *** having registered capital of RMB of *** which was increased to RMB *** on ***. On ***, it became a sole proprietorship, having registered capital of RMB ***. The Association organized an evaluation and auditing of all assets of the enterprise and the profits were paid to the Association and the principal invested by the investors was repaid to them. The restructured enterprise was solely owned by ***, one of the original investors. On ***, Zhangzhou Xiangcheng Zhengxing Automobile Wheel Factory was converted into a joint stock cooperative, having registered capital of RMB ***. As per business license of ***, it was registered as "limited liability company" having registered capital of RMB ***, which was increased from time to time and became RMB *** during ***.*

43. *On being asked why a private individual had to start the company as a collective form of enterprise, the exporter attributed this to the fact that the private individuals did not have land use rights and the investors had to go to the Association to get these. The rights, which were with another company, were transferred to the exporter through an agreement in *** for a total payment of *** RMB paid in installments from *** to ***. The Authority noted, however, that the exporter had claimed that a collective form of organization was socially more acceptable to labourers and others.*

44. *The exporter was asked why in the business licence of ***, the enterprise was depicted as Zhangzhou Xiangcheng Xiaoxi Automobile Wheel Factory, but in the fund raise agreement of *** the word "Xiaoxi" was missing. The response was that Zhangzhou and Xiangcheng represented names of geographical locations in China, and the investors had planned to use these*

names, but at the time of registration, Xiaoxi was included to distinguish it from others likely to be set up in the same location, an inclusion that was itself indicative of private ownership, as it would not have been required of a state-owned enterprise. Xiaoxi was replaced by Zhengxing in ***.

45. The verification showed that as per the asset evaluation report of ***, there was a huge revaluation from *** RMB to *** RMB when the enterprise was restructured from collectively owned to sole proprietorship through (a) an unexplained re-valuation of inventory by RMB ***, (b) increase in quantity of wheels, without clarifying if these were the company's own or purchased from others. (c) revaluation of building at RMB ***, though, as per the books of accounts, there was none. (d) unexplained increase in accounts payable of RMB ***. The exporter held that some part of the inventory and buildings had not been accounted for prior to revaluation, which admission itself raised doubts on the reliability of the audited accounts. Further, that the increase in net assets after revaluation was only RMB ***, the rest being the investment by *** from personal sources. It was found that the total asset value went up by RMB ***, funded through creditors to the extent of RMB ***. Besides, the details of financing of the capital base of the sole proprietorship by *** were not divulged during the verification.

46. The capital base was reduced to RMB *** in less than a month on conversion from sole proprietorship to a joint stock cooperative and then enhanced to RMB *** in *** on further restructuring to a limited liability company. The exporter has denied any special reason why the sole proprietorship was converted in to a limited liability company in two stages, instead of directly, stating that the sole proprietor had the freedom to choose the form of organisation. The enhanced capital base of the limited liability company was contributed in kind of RMB *** and in cash of RMB *** (as per the capital verification report of ***). In a short span of 4 months, as per the capital verification report of ***, there was an increase in registered capital to RMB ***, contributed as RMB *** in cash and RMB *** in assets. In Jan 2005, *** contributed physical assets valuing RMB ***, raising the registered capital of the company to ***.

47. Further, as per capital verification report of ***, in ***, *** had consigned *** school to pay RMB *** into the company's bank account and later paid RMB ***, thus enhancing the capital contribution to RMB ***, including assets valued at RMB ***. The reason for transferring the money through the school was held to be that borrowings from companies could not be directly transferred to the individual private accounts due to limitation on cash withdrawal. Besides, *** owned the school, too.

48. During the verification, the source of funds from which *** drew money for investment could not be verified. Subsequently it was said that loans totaling RMB *** had been taken from *** to ***, at *** interest rates,

repayable over *** years, which transactions did not appear to be of a commercial nature, since there was no annual repayment schedule for the loans in the agreements submitted to the Authority. Instead, there were only fixed dates of repayment.

49. The producer/exporter claimed that there were no controls on export of the subject goods, on production or sale of the subject goods in the domestic market or price controls on domestic or export sales or any export quotas. The raw material, steel, was subject to the system of 'designated trading' whereby only designated enterprises were permitted to import or export steel, but this system was abolished just prior to the POI, as seen from the public notice of 8th December, 2004 issued by China's Ministry of Commerce. In addition, the company had stated that they procured local inputs through spot contracts, and enjoyed 17% VAT return on export sales. Profits from exports were distributed among shareholders after the obligatory statutory and discretionary requirements were met.

50. During the plant visit, the production process for the manufacture of the subject product was seen. For the manufacture of steel coins, HR coils were used and from end 2004, steel coins were punched using an asymmetric multiple-punching process, for which, the company itself designed and developed a new shearing machine. For the manufacture of steel rim, the company purchased steel profiles of varying thickness at different points for conversion into rims and slotted angles for manufacturing rings. Finally, the steel disc, rim and ring were welded/assembled together to make the wheel. A cross section diagram of the rim profile and engineering drawings of disc, rim and ring were produced. Consequently, consumption norms and wastage were held to be lower.

51. The company was asked why there was no fund outflow towards repayment of loans of one year duration in the cash flow statement, to which they replied that they applied for extensions with the bank for loans due within the year. Thereafter, the company was requested to provide details of credit policy and applications for grant of short term loans and on their deployment. Though these were not furnished during the verification, they were made available subsequently.

52. During verification, the reasons for the exponential growth in current liabilities of the company since 2003, and particularly during the POI, could not be explained. The exporter held the growth to be commensurate with the growth in the volume of business and that the current ratio had reduced during 2005 compared to the previous year and all their activities were fully disclosed in the financial statements.

53. Details on *** of the notes payable to and *** of current assets receivable from a subsidiary in ***, could not be furnished. The exporter

stated that in the annual accounts, by error, notes payable to the subsidiary had been shown as for purchase of goods, but the explanation did not tally with the audited annual accounts.

54. *The company could not furnish supporting evidence during the verification that the actual steel price paid by them or prevailing in China were reflective of international prices, a requirement that was very critical for grant of MET. Later, details of the international steel price from UN-COMTRADE were made available to prove that Chinese steel price was fairly close to the international price. These prices pertained to flat rolled products based on the data of a single country and ranged from \$0.378/kg to 0.677/kg, which rendered them unacceptable.*

55. *In view of the foregoing, the Authority concludes that the company costs and prices are significantly distorted due to carry-over effects from the erstwhile non-market economy system and therefore, do not qualify for consideration for the purpose of determination of normal value of this company. Accordingly, the Authority proceeds to determine the normal value for this exporter in terms of para 7 of annexure I to the Rules."*

12. In the submissions made pursuant to the post decisional hearing, Zhengxing Wheels Co. Ltd has claimed that the entire growth of the company has taken place only after it was privatised and there were practically no assets or capital that had been carried over from the erstwhile non market economy operations. They further submitted that miniscule level of operations that were carried out before privatisation did not affect significantly the costs and prices of the exporter during the period of investigation. However, the Authority notes that M/s Zhengxing Wheels Co. Ltd, failed to furnish sufficient documentary evidence in support of their MET claim either during the on the spot verification conducted by the Authority or subsequently including their submissions made pursuant to the post decisional hearing held by the Authority in compliance with the orders of Hon'ble CESTAT. In view of the reasons adequately and elaborately addressed by the Authority in the final findings, the Authority reaffirms its findings on the market economy claim made by the respondent producer/exporter and the normal value determined by the Authority in terms of the provisions laid down under Para 7 of Annexure I to the Rules.
13. As regards the claim of M/s Zhengxing Wheels Co. Ltd that VAT refund rate applicable on domestic sales and VAT refund rate applicable on export sales made by Zhengxing Wheels were the same i.e., 17% and hence the same should not have been adjusted in the ex-factory export price, the Authority notes that the adjustments made by the Authority to determine net export price in respect of the respondent producer/exporter are based on the information verified by the Authority and the practice adopted by the DGAD.
14. As regards the submission made by M/s Zhengxing Wheels that injury margin and dumping margin should be determined separately for each size of wheel on

account of significant difference in weight of steel, the Authority notes that in the final findings the entire data was converted on weight basis and the relevant calculations were made on weighted average basis. In view of the above the submission that injury margin and dumping margin should be determined separately for each size of wheel does not have any relevance.

15. As regards the submission of the domestic industry that Turkey should be considered as an appropriate surrogate market economy third country for China PR, the Authority notes that in terms of para 7 of the Annexure I of the Rules, due account should be taken of the level of development of the market economy third country while selecting an appropriate market economy third country. Keeping in view the differential levels of economic development between China PR and Turkey and the level of development of the subject product, the Authority does not select Turkey as an appropriate market economy third country for China PR.

Confidentiality

16. As regards the confidentiality issue, the Authority observed in the final findings date 28th November 2007, as follows:

"D.1 Confidentiality

8. *In addition to comments relating to various aspects of the case, both the domestic industry and the participating exporter from China PR have raised the issue of excessive confidentiality claimed by the other party. The domestic industry has argued that (a) the exporter has made a lot of submissions without simultaneously providing a non-confidential version; (b) the exporter has not disclosed a lot of information nor given any reason for claiming confidentiality (c) neither in law nor in fact can the business licence of a company be claimed confidential as the exporter had done and (d) given the manner of exporter response, they should be allowed to comment on the information provided to the Authority to rule out the possibility of the exporter filing incorrect information. The exporter, however, has argued that the domestic industry has not provided a proper non-confidential version of its cost of production and other details or of submissions made subsequent to the initial application.*

9. *The Authority noted the degree and extent of cooperation and information submitted by the participating exporter and that non-confidentiality issues have been subsequently addressed by filing non-confidential versions of submissions made. The submissions filed by the exporter have been accepted though certain claims made have not been accepted, but the non-acceptance of certain claims or rejection of certain*

information by the Authority does not render the exporter non-cooperative. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties' along with non-confidential summary thereof, has been treated confidential."

17. Regarding the allegation of disclosure of confidential information pertaining to Zhengxing Wheels Co. Ltd, the Authority notes that none of the confidential information has been disclosed. The Authority further notes that any information which is otherwise available in the public domain or are given in average/range basis in the findings, does not render the same to be disclosure of confidential information.
18. With regard to the submission of Zhengxing Wheels that non confidential version of information of the domestic industry has not been made available, the Authority notes that the non confidential information submitted by the various interested parties have been made available by the Authority in the public file.
19. As regards the submission that actual dumping margin should be disclosed, the Authority notes that disclosure of such information will amount to disclosure of confidential information and as a matter of practice, such information are not disclosed by the Authority. Nevertheless, the methodology of determination of dumping margin and the range of dumping margin percentage are given in the final findings issued by the Authority.

Injury and Causal Link

20. As regards the determination of injury and causal link the Authority gave a detailed analysis in the final findings dated 28th November 2007. However, the Authority has hereunder examined the submissions made by the interested parties pursuant to the post decisional hearing:

- i. As regards the submission made by M/s Zhengxing Wheels that 22% of return is claimed by Di to project higher NIP and colour the entire injury analysis, the Authority notes that 22% of return on capital employed has been provided by the Authority in the final findings as per the consistent practice being followed in other antidumping cases and therefore the contention of M/s Zhengxing Wheels is devoid of merit.
- ii. As regards the submission that the Authority failed to analyse the causes for losses suffered by the domestic industry during the period prior to the commencement of imports, the Authority notes that the issue has been well addressed in the final findings dated 28th November 2007, as follows and does not warrant re-examination:

"74. The second parameter of injury was that the domestic industry suffered a loss during POI compared to 2004-05 despite increase in selling prices. The exporter has contended that the domestic industry had a loss of

45 units during POI compared to a loss of 100 units during 2002-03 and yet they claimed injury due to dumped imports.

					Variation in POI vis-à-vis	
	2002- 03	2003- 04	2004- 05	POI	2003- 04	2004- 05
Cost of Production	100	101	115	126	25	11
Selling Price	100	104	120	129	25	(104)
Profit/Loss	(100)	(2)	72	(45)	(43)	(117)

The table showed that while both costs and selling prices increased by 25 units during POI as compared to 2003-04, losses have mounted during POI. Further, costs increased by 11% points during POI over 2004-05 while sales prices increased by 9% points. A mere 2% increase in costs could not have led to a change in the loss of 117% points. Hence, the only conclusion possible was that the domestic industry's method of determining profits/losses has not been consistent and they have changed their method during POI to show unduly high loss."

21. As regards the submission made by Zhengxing Wheels that, with the intention of capturing market the two domestic producers has been undercutting and underselling the prices of each other in the domestic market and the loss on this account cannot be attributed to the exports made by Zhengxing Wheels, the Authority notes that there is no perceptible competition among the domestic producers, except that which is obvious of a market economy. The non-attribution analysis made by the Authority in its final findings dated 28th November 2007 shows that the dumped imports from the subject countries, through their volume and price effects, have caused significant injury to the domestic industry.

CONCLUSION & RECOMMENDATION

22. After examining and addressing the submissions made by the interested parties pursuant to the post decisional oral hearing held by the Authority, in compliance with the orders dated 11th August 2011 by the Hon'ble CESTAT, the Authority concludes that no modification is warranted in the final findings issued by the Authority vide Notification No.14/8/2005-DGAD dated 28th November 2007. The Authority, therefore, hereby re-affirms its findings made vide Notification No.14/8/2005-DGAD dated 28th November 2007 and the recommendations made therein.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority